SOPHIA COLLEGE FOR WOMEN (AUTONOMOUS)

Affiliated to

UNIVERSITY OF MUMBAI

Programme: **HINDI**

Programme Code: SBAHIL

S.Y.B.A.

2024-2025

(Based on the National Education Policy 2020)

Programme Outline : SYBA (SEMESTER III)

Course Code	Unit No	Name of the Unit MAJOR PAPER III	Credits
AHIN233MJ		मध्यकालीन एवं आधुनिक काव्य	4
	1	**कबीरदास के दोहे**, सूरदास के पद	
	2	**तुलसीदास -अयोध्याकाण्ड, बिहारी के दोहे**	
	3	आधुनिक काव्य – रश्मिरथी	
	4	.आधुनिक काव्य - **प्रतिनिधि कविताएँ -कुंवर नारायण-**	
AHIN234MJ		**MAJOR PAPER IV**	4
		प्रयोजनमूलक हिंदी	
	1	**प्रयोजनमूलक हिंदी : अवधारणाएँ एवं स्वरूप**	
	2	**विज्ञापन का परिचय**	
	3	**अनुवाद : अवधारणा एवं स्वरूप**	
	4	**पारिभाषिक शब्दावली**	
Course Code	Unit No	**HINDI MINOR 3**	Credits
AHIN233MN		**हिंदी गद्य साहित्य (भाग - 1)**	4
	1	**हिंदी उपन्यास का परिचय**	
	2	**उपन्यास 'सपनों की होम डिलीवरी' - ममता कालिया**	
	3	**उपन्यास 'सपनों की होम डिलीवरी' - ममता कालिया**	
	4	**उपन्यास तत्वों के अनुसार उपन्यास 'सपनों की होम डिलीवरी' की समीक्षा**	
		Vocational Skill Courses (VSC)	2
		विज्ञापन-लेखन	

	1	**विज्ञापन : अवधारणा एवं स्वरूप**	
	2	**विज्ञापन के विविध आयाम**	
Course Code	Unit No	**Ability Enhancement Courses (AEC)**	Credits
		हिंदी साहित्य एवं भाषा ज्ञान (भाग -१)	1
	1	**कविताएँ**	
	2	**भाषा ज्ञान : व्यावहारिक लेखन**	

Programme Outline : SYBA (SEMESTER IV)

Course Code	Unit No	**Name of the Unit**	Credits
		MAJOR PAPER V	
AHIN245MJ		**आधुनिक हिंदी गद्य**	4
	1	**हिंदी उपन्यास : अवधारणा और स्वरूप**	
	2	**दौड़ (लघु उपन्यास) - ममता कालिया**	
	3	**एक और द्रोणाचार्य नाटक - शंकर शेष,**	
	4	**एक और द्रोणाचार्य नाटक - शंकर शेष**	
AHIN246MJ		**MAJOR PAPER VI**	4
		जनसंचार माध्यम : विविध आयाम	
	1	**जनसंचार का अर्थ एवं विकास यात्रा**	
	2	**जनसंचार माध्यमों का विकास एवं उपयोगिता**	
	3	**जनसंचार माध्यमों की भाषा**	
	4	**नया मीडिया : विविध रूप और उपयोगिता**	
Course Code	Unit No	**HINDI MINOR IV**	Credits
AHIN244**MN**		**हिंदी गद्य साहित्य (भाग -** 2)	4

	1	**हिंदी नाटक एवं एकांकी : उद्भव, विकास एवं तत्व**	
	2	**बकरी - सर्वेश्वरदयाल सक्सेना**	
	3	**नाटक के तत्वों के आधार पर बकरी नाटक का विश्लेषण**	
	4	**एकांकी का सामान्य परिचय**	
		SEC	2
		कंप्यूटर और हिंदी भाषा	
	1	**कंप्यूटर का विकास और हिंदी**	
	2	**इंटरनेट और हिंदी भाषा**	
Course Code	Unit No	**Ability Enhancement Courses (AEC)**	Credits
		हिंदी साहित्य एवं भाषा ज्ञान (भाग -2)	1
	1	**हिंदी संस्मरण और रेखाचित्र का सामान्य परिचय**	
	2	**भाषा ज्ञान : व्यावहारिक लेखन**	

Preamble (प्रास्ताविका)

कला स्नातक [बी . ए] के हिंदी पाठयक्रम में हिंदी भाषा, साहित्य, संस्कृति एवं तकनीकि विकास के व्यापक अध्ययन हेतु कुल नौ पेपर शामिल किये गए हैं, जो कि हिंदी विभाग की बड़ी उपलब्धि है और यह ऐसा विभाग है जो भारतीय भाषा एवं साहित्य की समृद्ध विरासत से छात्रों को जोड़ता है | इस पाठ्यक्रम में आधुनिक हिंदी की विविध विधाओं जैसे – कविता, नाटक, उपन्यास, एकांकी, कहानी, व्याकरण आदि को शामिल किया गया है | कहानियाँ एवं काव्य के माध्यम से छात्रों को भारतीय संस्कृति एवं मानवीय मूल्यों से परिचित करना और उनमें नैतिकता का विकास करना इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है |

विभाग ने पाठयक्रम में भाषा की शुद्धता में वृद्धि करने हेतु अनेक व्याकरण के विषयों को सम्मिलित किया है| छात्रों को रोजगार के क्षेत्रों में सक्षम करने हेतु इस पाठयक्रम में संचार-कौशल, अनुवाद , विज्ञापन, पत्रकारिता एवं कंप्यूटर तकनीकि आदि विषयों को पढ़ाया जाता है | छात्रों में आलोचनात्मक विश्लेषण, हिंदी साहित्य एवं संस्कृति का महत्व, पर्यावरण सजगता के प्रति गहरी चेतना जागृत करने हेतु पाठ्यक्रम में निबंध, उपन्यास एवं अन्य गद्य विधाओं को शामिल किया गया है |

विभिन्न शैक्षणिक पृष्ठभूमि के छात्रों को एक ही स्तर पर लाने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए इसे तैयार किया गया है|

काव्यशास्त्रीय अध्ययन से छात्रों में काव्य के प्रति रुचि निर्माण हो इसलिए भारतीय काव्यशास्त्र का विषय सम्मिलित किया गया है | हिंदी भाषा के उद्भव और विकास तथा इतिहास संबधी जानकारियां प्राप्त हो तथा छात्रों को भाषाई शुद्धता का ज्ञान हो इसलिए भाषा-विज्ञान के विविध विषयों को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है | नाटकों और निबंधों के माध्यम से छात्रों में पारिवारिक मूल्यों और संबंधों के प्रति संवेदना निर्माण करने का प्रयत्न किया गया है |

साहित्य और समाज के मध्य के गहरे सम्बन्ध को समझाने हेतु और साहित्य ही समाज का प्रतिबिम्ब है यह प्रस्थापित करने हेतु अस्मितामूलक विमर्श, विविध विचारकों जैसे गांधी, मार्क्स, आम्बेडकर एवं राजाराममोहन राय आदि के विचारों का हिंदी साहित्य पर पड़ा प्रभाव दर्शाने वाले विमर्श साहित्य में सम्मिलित किये गए हैं |

PROGRAMME OBJECTIVES

PO 1	मध्यकालीन तथा आधुनिक काव्य के माध्यम से काव्य भाषा की सुन्दरता से परिचित कराना और विद्यार्थियों को भावनात्मक रूप से संवाद करने में सक्षम बनाना तथा काव्य में निहित रस, भावना, और आध्यात्मिकता के विभिन्न आयामों से विद्यार्थियों को जोड़ना और उन्हें एक साहित्यिक अनुभव कराना।
PO 2	जनसंचार माध्यमों में प्रयुक्त व्यावहारिक हिंदी के पठन-पाठन से विद्यार्थियों को रोजमर्रा के जीवन में संचार करने के लिए एक सुगम और सहज भाषा प्रदान करना। व्यावहारिक हिंदी भाषा को सामाजिक, व्यावसायिक, शैक्षणिक और पारंपरिक संदर्भों में उपयोगी बनाने का प्रयास करना |
PO 3	उपन्यास के माध्यम से विद्यार्थियों को अपने अनुभवों, सोच की गहराई और विचारों को दूसरों के साथ साझा करने में सक्षम कराना और साथ ही विभिन्न सामाजिक और सांस्कृतिक समूहों के बीच संबंधों को मजबूत करने का कौशल निर्माण करना |

PROGRAMME SPECIFIC OUTCOMES

PSO 1	मध्यकालीन तथा आधुनिक काव्य के द्वारा विद्यार्थियों में नयी विचारधारा, संवेदनाएँ और दृष्टिकोण का निर्माण होगा | वे काव्य भाषा की रचनात्मकता और उसकी सांस्कृतिक विविधता को समझ सकेंगे | इसके अलावा काव्य रस, संवेदना और साहित्यिक गुणों को समझने की उनमें क्षमता निर्माण होगी |
PSO 2	व्यावहारिक हिंदी और जनसंचार के माध्यम से छात्रों में मीडिया में पत्रकार, संपादक, रिपोर्टर, लेखक, और ब्लॉगर के रूप में रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे | साथ ही - विविध विभागों और संगठनों में हिंदी भाषा के अनुवादक, संचालक, और सामाजिक संचार अधिकारी के रूप में, हिंदी भाषा में विपणन, विज्ञापन और बाजारिक संचार के क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करने में सक्षम होंगे।
PSO 3	उपन्यास के माध्यम से विद्यार्थी समाज में आनेवाले बदलाव, संघर्ष, प्रेम, विश्वास, और मानवीय अनुभवों को समझने में सक्षम होंगे | उपन्यास के पात्रों के माध्यम से चरित्रों के संघर्ष, विचारों और भावनाओं से अपने चारित्रिक गुणों का विकास करेंगे | इसके अलावा मानवता, न्याय, समाजिक असमानता को समझने में सक्षम होंगे।

COURSE DETAILS FOR MAJOR:

HINDI MAJOR III

Programme: Humanities **HINDI Major III DSC**		**Semester – III**	
Course Title: मध्यकालीन एवं आधुनिक काव्य		**Course Code: AHIN233MJ**	
Lectures per week (1 Lecture is 60 minutes)		4	
Total number of Hours in a Semester		60	
Credits		4	
Evaluation System	**Semester End Examination**	**2 Hours**	**50 marks**
	Internal Assessment		**50 marks (25 each)**

COURSE OBJECTIVES

CO 1.	मध्यकालीन काव्य के माध्यम से विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य के मध्यकालीन कवियों कबीर , तुलसी ,सूरदास, बिहारी आदि से परिचित कराना और उनके पदों के माध्यम से विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों का विकास कराना
CO 2.	आधुनिक काल के प्रसिद्द कवियों की कविताओं के माध्यम से समाज की तत्कालीन परिस्थितियों से विद्यार्थियों को अवगत कराना तथा छात्राओं में समाज की विसंगतियों, राजनीति, सांस्कृतिक समस्याओं का सामाधान करने की क्षमता निर्माण करना
CO 3.	हिंदी साहित्य के प्रति विद्यार्थियों में जिज्ञासा निर्माण करना और सृजनात्मक कार्य के प्रति प्रेरित करना |

COURSE LEARNING OUTCOMES:

CLO 1.	मध्यकालीन काव्य के माध्यम से विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों का विकास होगा|

CLO 2.	आधुनिक काल के प्रसिद्द कवियों की कविताओं के माध्यम से समाज की तत्कालीन परिस्थितियों से छात्राएँ अवगत होगी तथा समाज की विसंगतियों, राजनीति, सांस्कृतिक मूल्यों से परिचित होंगी ।
CLO 3	हिंदी साहित्य के प्रति छात्राओं में जिज्ञासा निर्माण होगी और रोजगार तथा रचनात्मक कार्य के प्रति वे अग्रेसर होंगी

इकाई 1	**. कबीरदास के दोहे, . सूरदास के पद -**
1.1	1. सतगुरु की महिमा अनँत….. .अनँत दिखावणहार ॥ 2. दीपक दीया तेल भरि……. बहुरि न आँवौं हट्ट॥ 3. बलिहारी गुरु. ……...न लागी बार॥ 4. सतगुरु लई कमाँण करि. …… भीतरि रह्या सरीर ॥ **सुमिरन भजन महिमां कौ अंग -** 1. कबीर सूता क्या करै…….. लम्बे पाँव पसारि ॥ 2. तूँ तूँ करता तूँ भया। ..... जित देखौं तित तूँ 3. च्यंता तौ हरि नाँव की..... सोई काल कौ पास 4. भली भई जो... ……पड़ता पूरी जानि ॥
1.2	**सूरदास के पद -** 1. अविगत गति..... ……..सूर सगुन लीला पद गावै॥ 2. हरि सों मीत न देख्यौं कोई..... नाना त्रास निवारे ॥ 3. गोविन्द प्रीति सबन की मानत..... जुग जुग भगत बढ़ाये॥ 4. जैसे तुम गज कौ…….तिहिं दारिद्र नसायौ ॥
इकाई 2	**तुलसीदास- अयोध्याकांड, बिहारी के दोहे**
2..1	**तुलसीदास- अयोध्याकांड -** 1. माई री! मोहि कोउ न समुझावै ….. . .पीर न जाति बखानी॥ 2. जब-जब भवन बिलोकति सूनो..... बिनु सोकजनित रुज मेरो ॥

	3. काहेको खोरि कैकयिहि.. .. मनहु राम फिरि आए॥ 4. माई ! हौं अवध कहा रहि लैहौं। ….निकसि बिहंग-मृग भागे|
2.2	**5. बिहारी के दोहे -** 1. तंत्रिनाद कवित्त रस.. ……जे बूड़े सब अंग॥ 2. कोरि जतन काऊ ..... अंत नीच कौ नीचु॥ 3. संगति सुमति न पावहीं…… हींग न होई सुगंध॥ 4. नहिं परागु नहिं मधुर मधु..... आगै कौन हवाल॥ 5. कहै-यहै श्रुति सुम्रत्यों……. .पातक, राजा, रोग.॥ 6. घरु-घरु डोलत दीन है……लघु पुनि बड़ौ लखाइ॥ 7. कनक-कनक तै सौगुनौ .. ..इहिं पाएँ ही बौराइ॥ 8. सबै हँसत करतार दै... .गएँ गँवारै गाँव॥
इकाई 3	**आधुनिक काव्य- रश्मिरथी (खंडकाव्य) -रामधारी सिंह 'दिनकर'**
3.1	रश्मिरथी (खंड - 3)
इकाई 4	**आधुनिक काव्य- प्रतिनिधि कविताएँ -कुंवर नारायण**
4.1	पाठ्यक्रम के लिए निर्धारित कविताएँ- 1. आजकल लड़ाई का ज़माना है- त्रिलोचन 2. एक छोटा-सा अनुरोध- केदारनाथ सिंह 3. नदी और साबुन -ज्ञानेंद्रपति 4. सरकारी कोयल- उदय प्रकाश 5. घर- मंगलेश डबराल
4.2	**प्रतिनिधि कविताएँ -कुंवर नारायण-** **पाठ्यक्रम के लिए निर्धारित कविताएँ -** 1. घर रहेंगे 2. अबकी अगर लौटा तो

	3. क्या वह नहीं होगा 4. बाज़ारों की तरफ़ भी

संदर्भ :

- मध्यकालीन और आधुनिक काव्य - संपादन : हिंदी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्वविद्यालय, वाणी प्रकाशन
- हिंदी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल,
- प्रतिनिधि कविताएँ -कुंवर नारायण- सम्पादक- पुरुषोत्तम अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन
- रश्मिरथी - रामधारी सिंह 'दिनकर', लोकभारती प्रकाशन
- रामचरितमानस – तुलसीदास
- हिंदी साहित्य का आदिकाल -आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

HINDI MAJOR IV

Programme: Humanities **HINDI MAJOR 4 (DSC)**		**Semester – III**	
Course Title: प्रयोजनमूलक हिंदी		**Course Code: AHIN234MJ**	
Lectures per week (1 Lecture is 60 minutes)		**4**	
Total number of Hours in a Semester		**60**	
Credits		**4**	
Evaluation System	**Semester End Examination**	**2 Hours**	**50 MARKS** 20
	Internal Assessment	**--**	**50 MARKS** **(25 each)** 20

COURSE OBJECTIVES

CO 1.	प्रयोजनमूलक हिंदी की अवधारणा को एक ओर सामान्य बोलचाल की और दूसरी ओर साहित्यिक हिंदी से अलगाना, ताकि हिंदी के अन्य विशिष्ट प्रयोग (मीडिया, बैंक, रेल्वे , प्रशासन, कानून, चिकित्सा, तकनीक, विज्ञान आदि) स्पष्ट हो सकें।
CO 2.	भाषा के अनुवाद का परिचय देना और अनुवाद की ओर विद्यार्थियों को अग्रेसर करना।
CO 3.	विज्ञापन के माध्यम से विद्यार्थियों को हिंदी विज्ञापन में रोजगार की संभावनाओं से परिचित कराना और उस ओर अग्रेसर कराना |

COURSE LEARNING OUTCOMES:

CLO 1.	प्रयोजनमूलक हिंदी के इस पत्र को पढ़ने के उपरांत विद्यार्थी हिंदी से जुड़े रोज़गार के विभिन्न क्षेत्रों के प्रति सचेत हो जाएंगे और उस दिशा में कदम बढ़ा सकेंगे।|
CLO 2.	विज्ञापन और अनुवाद क्षेत्र की अपार सम्भावनाओं को आज़मा सकेंगे।
CLO 2.	एक ओर पत्रकारिता, तो दूसरी ओर मीडिया लेखन या वाचन की ओर विद्यार्थी अग्रेसर होंगे, वे इन विषयों की मूलभूत जानकारी, प्रवृत्ति और मूलभूत दक्षता भी सीखेंगे।

इकाई 1	**प्रयोजनमूलक हिंदी : अवधारणाएँ एवं स्वरूप**

1.1	प्रयोजनमूलक हिंदी - अर्थ, परिभाषा, स्वरुप,विशेषताएँ और महत्त्व
1.2	सामान्य हिंदी और साहित्यिक हिंदी - स्वरुप, विशेषताएँ और महत्त्व
1.3	प्रयोजन मूलक हिंदी : व्यावहारिक प्रयोग (ज्ञापन, परिपत्र, अनुस्मारक, आदेश, सूचनाएँ, निविदा)
इकाई 2	**विज्ञापन का परिचय**
2.1	विज्ञापन :अर्थ, परिभाषा, स्वरूप
2.2	विज्ञापन का महत्व एवं विशेषताएँ
2.3	विज्ञापन और हिन्दी भाषा
2.4	विज्ञापन : व्यावहारिक प्रयोग (प्रिंट मीडिया, रेडियो और टेलीविज़न में विज्ञापन लेखन)
इकाई 3	**अनुवाद : अवधारणा एवं स्वरूप**
3.1	अनुवाद का सामान्य परिचय
3.2	अनुवाद की प्रक्रिया
3.3	अनुवाद के प्रकार - साहित्यिक अनुवाद और साहित्येत्तर अनुवाद
3.4	अनुवाद : व्यावहारिक प्रयोग (मराठी से हिंदी में अनुवाद और अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद)
इकाई 4	**पारिभाषिक शब्दावली -**
4.1	पारिभाषिक शब्दावली का सामान्य परिचय
4.2	50 पारिभाषिक शब्द

संदर्भ :

- प्रयोजन मूलक हिंदी डॉ. रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
- प्रयोजनमूलक हिंदी- डॉ. विनोद गोदरे
- प्रयोजन मूलक हिंदीः सिद्धांत और प्रयोग- डॉ. दंगल झाल्टे
- प्रयोजन मूलक हिंदी की नयी भूमिका कैलाश नाथ पांडेय

- प्रयोजन मूलक हिंदी- डॉ. पी.लता
- प्रस्तावना मूलक हिंदी- माधव सोनटक्के
- अनुवाद विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी
- परिभाषा स्वरूप एवं क्षेत्र-डॉ. गोपाल राय
- अनुवाद कला - डॉ. एन.ई. विभवनाथ अय्यर
- अनुवाद : सिद्धांत एवं प्रयोग- जी. गोपीनाथ

HINDI MINOR 3

Programme: Humanities **HINDI MINOR 3 (DSE)**		**Semester – III**	
Course Title: हिंदी गद्य साहित्य (भाग - 1)		**Course Code: AHIN233MN**	
Lectures per week (1 Lecture is 60 minutes)		**4**	
Total number of Hours in a Semester		**60**	
Credits		**4**	
Evaluation System	**Semester End Examination**	**2 Hours**	**50 MARKS**
	Internal Assessment	**--**	**50 MARKS (25 each)**

COURSE OBJECTIVES

CO 1.	हिंदी उपन्यास का उद्भव और विकास के माध्यम से विद्यार्थियों को हिंदी गद्य विधा उपन्यास से परिचित कराना और उपन्यास के पठन से विद्यार्थियों में मानवीय मूल्यों का संस्कार करना
CO 2.	ममता कालिया द्वारा रचित उपन्यास 'सपनों की होम डिलीवरी' उपन्यास के माध्यम से महिलाओं के जीवन तथा उनकी समस्याओं से अवगत कराना |
CO 3.	उपन्यास के माध्यम से वर्तमान सामाजिक,पारिवारिक, सांस्कृतिक एवं आज के युग की युवाओं की समस्याओं से परिचय करना |

COURSE LEARNING OUTCOMES:

CLO 1.	हिंदी उपन्यास की विकास यात्रा के पठन-पाठन से विद्यार्थी उपन्यास के इतिहास और प्रमुख उपन्यासकारों से परिचित होंगे |
CLO 2.	सपनों की होम डिलीवरी' उपन्यास के पठन-पाठन से स्त्री जीवन की विविध समस्याओं और परिस्थितियों से परिचित होंगे |
CLO 3	'सपनों की होम डिलीवरी' उपन्यास के पठन-पाठन से छात्राओं में आधुनिक युग की विभिन्न बाधाओं का सामना कर पाने की क्षमता का विकास होगा

इकाई 1	**हिंदी उपन्यास का परिचय**

1.1	हिंदी उपन्यास का सामान्य परिचय अर्थ,परिभाषा, तत्व और स्वरूप
1.2	हिंदी के कतिपय उपन्यासकारों का परिचय ● श्रीनिवासदास मिश्र ● देवकीनंदन खत्री ● वृन्दावन लाल वर्मा ● प्रेमचंद ● अज्ञेय ● अमृतलाल नागर ● भीष्म साहनी ● कृष्णा सोबती
इकाई 2	**उपन्यास 'सपनों की होम डिलीवरी' - ममता कालिया**
2.1	उपन्यासकार ममता कालिया का सामान्य परिचय
2.2	उपन्यास का सामान्य परिचय
2.3	पठन-पाठन, समूह चर्चा
इकाई 3	**उपन्यास 'सपनों की होम डिलीवरी' - ममता कालिया**
3.1	पारिवारिक परिस्थितियों के अनुसार समीक्षा
3.2	सामाजिक परिस्थितियों के अनुसार समीक्षा
3.3	नैतिक मूल्य परक समीक्षा

3.4	युवा वर्ग सम्बन्धी विविध परिस्थितियों के अनुसार समीक्षा
इकाई 4	**उपन्यास तत्वों के अनुसार उपन्यास 'सपनों की होम डिलीवरी' की समीक्षा**
4.1	कथावस्तु, पात्र, देशकाल/ वातावरण, भाषा, उद्देश्य

संदर्भ :

- सपनों की होम डिलीवरी उपन्यास, ममता कालिया
- हिंदी गद्य का इतिहास- रामचंद्र तिवारी
- हिंदी साहित्य का इतिहास- आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- हिंदी साहित्य उद्भव और विकास : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
- हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास :रामकुमार वर्मा
- हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास- डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त
- उपन्यास का स्वरूप - डॉ शशिभूषन सिंघल, आधुनिक प्रकाशन, दिल्ली
- हिंदी उपन्यास के सौ वर्ष - संपादक -रामदरश मिश्रा, गिरनार प्रकाशन, गुजरात

Vocational Skill Courses (VSC)

Programme: Humanities **Vocational Skill Courses (VSC)**		**Semester – III**	
Course Title: विज्ञापन-लेखन		**Course Code: AVSC303**	
Lectures per week (1 Lecture is 60 minutes)		2	
Total number of Hours in a Semester		30	
Credits		2	
Evaluation System		**2 Hours**	**——-**
	Internal Assessment	**--**	**50 MARKS**

COURSE OBJECTIVES

CO 1.	विज्ञापन के माध्यम से विद्यार्थियों को हिंदी विज्ञापन क्षेत्र में रोजगार के प्रति परिचित कराना |
CO 2.	विज्ञापन के विभिन्न प्रकारों का परिचय देना |
CO 3.	विज्ञापन लेखन की ओर विद्यार्थियों को अग्रेसर करना।

COURSE LEARNING OUTCOMES:

CLO 1.	विद्यार्थी विज्ञापन क्षेत्र की अपार सम्भावनाओं से परिचित होंगे।
CLO 2.	विद्यार्थी विज्ञापन की विविध एजंसियों से परिचित होंगे |
CLO 3	विज्ञापन लेखन कला से अवगत होने पर विद्यार्थी विज्ञापन क्षेत्र में रोजगार पाने में सक्षम होंगे |

इकाई 1	**विज्ञापन : अवधारणा एवं स्वरूप**
1.1	विज्ञापन : परिचय
1.2	विज्ञापन : महत्व एवं उपयोगिता

1.3	हिंदी विज्ञापनों की भाषा
1.4	विज्ञापन एजेंसियों का परिचय
इकाई 2	**विज्ञापन के विविध आयाम**
2.1	विज्ञापन के प्रकार
2.2	विज्ञापन क़ानून और सहिताएं
2.3	विज्ञापन लेखन, प्रारूप, अभिकल्पना (डिजाइन)
2.4	विज्ञापन : व्यावहारिक प्रयोग ● प्रिंट मीडिया में विज्ञापन लेखन ● इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में विज्ञापन लेखन ● जिंगल लिखना

संदर्भ :

- विज्ञापन और ब्रांड - संजय सिंह बघेल
- विज्ञापन बाज़ार और हिंदी -कैलाश नाथ पांडे
- विज्ञापन की दुनिया -कुमुद शर्मा
- प्रयोजन मूलक हिंदी डॉ. रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
- प्रयोजनमूलक हिंदी- डॉ. विनोद गोदरे
- प्रयोजन मूलक हिंदीः सिद्धांत और प्रयोग- डॉ. दंगल झाल्टे
- प्रस्तावना मूलक हिंदी- माधव सोनटक्के

Programme: Humanities **Ability Enhancement Course (AEC)**		**Semester – III**	
Course Title: हिंदी साहित्य एवं भाषा ज्ञान (भाग -१)		**Course Code:AAEC303EH**	
Lectures per week (1 Lecture is 60 minutes)		**1**	
Total number of Hours in a Semester		**15**	
Credits-		**1**	
Evaluation System	**Semester End Examination**	**Hours**	
	Internal Assessment	**--**	

COURSE OBJECTIVES

CO 1.	हिंदी कविताओं के माध्यम से विद्यार्थियों को काव्य परम्परा से जोड़ना |
CO 2.	कविता के माध्यम से छात्राओं को हिंदी साहित्य से परिचित करना।
CO 3.	हिंदी भाषा के प्रति रुचि निर्माण करना और रचनात्मक लेखन की ओर प्रेरित करना।
CO 4.	भाषा व्याकरण के पठन-पाठन से भाषा में शुद्धियों के प्रति सचेत करना |
CO 5.	संक्षेपण और पल्ल्वन के पठन-पाठन से भाषा सम्बन्धी ज्ञान होगा हो मूल्यांकन क्षमता निर्माण होगी |

COURSE LEARNING OUTCOMES:

CLO 1.	हिंदी कविताओं के पठन-पाठन से विद्यार्थियों में मानवीय मूल्यों का विकास होगा।
CLO 2.	विद्यार्थी सृजनात्मक लेखन की ओर अग्रेसर होंगे।
CLO 3	विद्यार्थियों में हिंदी साहित्य में रुचि निर्माण होगी और मूल्याङ्कन क्षमता का विकास होगा।

इकाई 1	

	कविताएँ
1.1	वह तोडती पत्थर- सूर्यकांत त्रिपाठी ‘निराला’
1.2	झाँसी की रानी - सुभद्रा कुमारी चौहान
1.3	जो बीत गई, सो बात गई- हरिवंशराय बच्चन
1.4	अकाल और उसके बाद -नागार्जुन
इकाई 2	**भाषा ज्ञान : व्यावहारिक लेखन**
2.1	हिंदी व्याकरण : संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण
2.2	संक्षेपण और पल्लवन

संदर्भ :

- काव्य प्रदीप - हिंदी अध्ययन मंडल मुंबई विश्व विद्यालय
- समकालीन हिंदी कविता - अरविंदाक्षन, राधाकृष्ण प्रकाशन
- हिंदी कविता की प्रगतिशील भूमिका - प्रभाकर श्रोत्रिय, नेशनल पब्लिकेशन हाउस
- नयी कविता की भूमिका - प्रेमशंकर, नेशनल पब्लिकेशन हाउस
- हिंदी भाषा और लिपि -डॉ. धीरेन्द्र वर्मा
- बोलचाल की हिंदी -सुशीला गुप्ता

SYBA (SEMESTER IV)

HINDI Major V DSC

Programme: Humanities **HINDI Major 5 DSC**		**Semester – IV**	
Course Title:आधुनिक हिंदी गद्य		**Course Code: AHIN245MJ**	
Lectures per week (1 Lecture is 60 minutes)		4	
Total number of Hours in a Semester		60	
Credits		4	
Evaluation System	**Semester End Examination**	**2 Hours**	**50 marks**
	Internal Assessment	**--**	**50 marks (25 each)**

COURSE OBJECTIVES

CO 1.	हिंदी साहित्य के विविध विधाओं में से उपन्यास विधा से अवगत करना |
CO 2.	'दौड़' उपन्यास द्वारा आधुनिक परिवेश को समझाना |
CO 3.	'एक और द्रोणाचार्य' नाटक द्वारा पौराणिक कथा के आधार पर आधुनिक शैक्षणिक समस्याओं की जानकारी देना |

COURSE LEARNING OUTCOMES:

CLO 1.	उपन्यास की बारीकियों को समझने पर उपन्यास के निर्माण एवं पठन में छात्राओं की रूचि बढ़ेगी |
CLO 2.	'दौड़' उपन्यास द्वारा युवाओं में अपने अभिभावकों के प्रति प्रेम बढेगा |
CLO 3	'एक और द्रोणाचार्य' नाटक द्वारा आज की भ्रष्ट शिक्षण - प्रणाली से विद्यार्थी अवगत होंगे || |

इकाई 1	**हिंदी उपन्यास : अवधारणा और स्वरूप**

1.1	हिंदी उपन्यास का सामान्य परिचय
1.2	लघु उपन्यास दौड़ का सामान्य परिचय
1.3	दौड़ उपन्यासकार का जीवन परिचय
इकाई 2	**दौड़ (लघु उपन्यास) - ममता कालिया**
2.1	पठन- पाठन (समूह चर्चा)
2.2	उपन्यास के तत्वों के आधार पर उपन्यास की समीक्षा - (कथावस्तु, पात्र, शिल्प, देशकाल /वातावरण, भाषा, शैली, उद्देश्य)
इकाई 3	**एक और द्रोणाचार्य नाटक - शंकर शेष**
3.1	हिंदी नाटक का सामान्य परिचय
3.2	'एक और द्रोणाचार्य'नाटक का सामान्य परिचय
3.3	नाटककार का जीवन परिचय
इकाई 4	**एक और द्रोणाचार्य नाटक - शंकर शेष,**
4.1	नाटक के तत्वों के आधार पर एक और द्रोणाचार्य नाटक की समीक्षा (कथावस्तु, संवाद, पात्र, अभिनय, देशकाल /वातावरण, भाषा, शिल्प, शैली) ,
4.2	नाटक का विविध रूपों के आधार पर मूल्याङ्कन - ● सामाजिक ● आर्थिक ● राजनैतिक ● शैक्षणिक

संदर्भ :

- दौड़ (लघु उपन्यास) - ममता कालिया, वाणी प्रकाशन
- एक और द्रोणाचार्य नाटक - शंकर शेष, परमेश्वरी प्रकाशन
- हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास :रामकुमार वर्मा

- हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास- डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त
- उपन्यास का स्वरूप - डॉ शशिभूषण सिंघल, आधुनिक प्रकाशन, दिल्ली
- हिंदी उपन्यास के सौ वर्ष - संपादक -रामदरश मिश्र, गिरनार प्रकाशन, गुजरात

HINDI MAJOR 6 (DSC)

Programme: Humanities **HINDI MAJOR 6 (DSC)**		**Semester – IV**	
Course Title: जनसंचार माध्यम : विविध आयाम		**Course Code: AHIN246MJ**	
Lectures per week (1 Lecture is 60 minutes)		**4**	
Total number of Hours in a Semester		**60**	
Credits		**4**	
Evaluation System	**Semester End Examination**	**2 Hours**	**50 MARKS**
	Internal Assessment	**--**	**50 MARKS** **(25 each)**

COURSE OBJECTIVES

CO 1.	विद्यार्थियों को विविध जनसंचार माध्यमों से परिचय करना और जनसंचार माध्यमों में रोजगार की संभावनाओं की जानकारी देना |
CO 2.	समाचार पत्र, रेडियो, सिनेमा, टेलीविजन आदि में लेखन कौशल का विकास करना |
CO 3.	जनसंचार माध्यमों में हिंदी भाषा का महत्व समझाकर उससे परिचय करना |
CO 4 .	नए जनसंचार माध्यमों में विद्यार्थियों को नये मीडिया इंस्ट्राग्राम, ट्विटर, टेलीग्राम, फेसबुक आदि से परिचित करना और उसकी उपयोगिताओं को समझाना

COURSE LEARNING OUTCOMES:

CLO 1.	विविध जनसंचार माध्यमों से परिचय होने के बाद विद्यार्थी मीडिया में रोजगार प्राप्ति की ओर अग्रेसर होंगे |
CLO 2.	समाचार लेखन रेडियो लेखन, पटकथा एवं संवाद लेखन, टेलीविजन, कंटेंट लेखन और ब्लॉग लेखन आदि लेखन कौशल का विद्यार्थियों में विकास होगा|
CLO 3	जनसंचार माध्यमों में उपयुक्त हिंदी भाषा कौशल का विकास होगा | |

इकाई 1	**जनसंचार का अर्थ एवं विकास यात्रा**
1.1	जनसंचार : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप

1.2	जनसंचार : परम्परागत माध्यम (लोकनाट्य , लोकनृत्य, लोककथा, लोकगीत लावणी, तमाशा, कठपुतली)
इकाई 2	**जनसंचार माध्यमों का विकास एवं उपयोगिता**
2.1	समाचार पत्र
2.2	रेडियो
2.3	सिनेमा
2.4	टेलीविजन
इकाई 3	**जनसंचार माध्यमों की भाषा**
3.1	समाचार पत्र
3.2	रेडियो
3.3	सिनेमा
3.4	टेलीविजन
इकाई 4	**नया मीडिया : विविध रूप और उपयोगिता**
4.1	इंटरनेट
4.2	इंस्टाग्राम
4.3	ट्विटर
4.4	टेलीग्राम
4.5	व्हाट्सअप

4.6	फेसबुक

संदर्भ :

- जनसंचार -हरीश अरोड़ा
- प्रिंट मीडिया लेखन - निशांत सिंह
- इलेक्ट्रोनिक मीडिया लेखन - हरीश अरोड़ा
- मीडिया लेखन सिद्धांत और व्यवहार -चन्द्र प्रकाश मिश्र
- मीडिया विधि - निशांत सिंह
- पत्रकार और पत्रकारिता प्रशिक्षण - अरविन्द मोहन
- जनसंचार माध्यमों का राजनीतिक चरित्र - जवारीमल्ल पारिख
- भारत में प्रेस कानून - प्रो. मधुसूदन त्रिपाठी

Hindi MINOR 4

Programme: Humanities **HINDI MINOR (DSE)**		**Semester – IV**	
Course Title: हिंदी गद्य साहित्य (भाग - 2)		**Course Code: AHIN244MN**	
Lectures per week (1 Lecture is 60 minutes)		**4**	
Total number of Hours in a Semester		**60**	
Credits		**4**	
Evaluation System	**Semester End Examination**	**2 Hours**	**50 MARKS**
	Internal Assessment	**--**	**50 MARKS** **(25 each)**

COURSE OBJECTIVES

CO 1.	हिंदी नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों को नाटक विधा से परिचित कराना |
CO 2.	हिंदी नाटक के उद्भव और विकास के माध्यम से नाटक के प्राचीन स्वरूप और उसके विकास यात्रा के बारे में छात्राओं को जानकारी देना |
CO 3.	हिंदी नाटक 'बकरी' के माध्यम से विद्यार्थियों को सामाजिक तथा राजनैतिक समस्याओं से अवगत कराना तथा उनमें मूल्यांकन करने की क्षमता को निर्माण करना |
CO 4.	एकांकी के माध्यम से छात्रों में एकांकी विधा से अवगत करना |
CO 5.	एकांकी 'सूखी डाली' तथा 'स्त्री का हृदय' एकांकी के माध्यम से विद्यार्थियों को संयुक्त परिवार के महत्त्व तथा स्त्री संबंधित पारिवारिक समस्याओं से अवगत करना |

COURSE LEARNING OUTCOMES:

CLO 1.	हिंदी नाटक एवं एकांकी विधा से विद्यार्थी अवगत होंगे और नाटक एवं एकांकी लेखन में रचनात्मक कार्य करेंगे |
CLO 2.	हिंदी नाटक बकरी के माध्यम से विद्यार्थी सामाजिक, राजनैतिक परिस्थितियों से तथा समस्याओं से अवगत होंगे और उनमें मुल्यांकन करने की क्षमता निर्माण होगी |
CLO 3	हिंदी नाटक एवं एकांकी के माध्यम से विद्यार्थियों में सामाजिक तथा मानवीय मूल्यों का विकास होगा |

इकाई 1	**हिंदी नाटक एवं एकांकी : उद्भव, विकास एवं तत्व**

1.1	हिंदी नाटक एवं एकांकी का परिचय
1.2	हिंदी नाटक एवं एकांकी की विकास यात्रा
1.3	हिंदी नाटक एवं एकांकी के प्रमुख रचनाकार
1.4	हिंदी नाटक एवं एकांकी के तत्व-
इकाई 2	**बकरी - सर्वेश्वरदयाल सक्सेना**
2.1	लेखक का सामान्य परिचय
2.2	नाटक का सामान्य परिचय
2.3	नाटक वाचन और व्याख्या
2.4	सामाजिक, पारिवारिक,राजनैतिक,विविध मानवीय मूल्य आदि रूप से नाटक की समीक्षा
इकाई 3	**नाटक के तत्वों के आधार पर बकरी नाटक का विश्लेषण**
3.1	(भारतीय एवं पाश्चात्य) (कथावस्तु, रस, अभिनय, पात्र, भाषा, रंगमंच, उद्देश्य)
इकाई 4	**एकांकी का सामान्य परिचय**
4.1	सूखी डाली - उपेंद्रनाथ अश्क
4.2	स्त्री का हृदय : उदयशंकर भट्ट

संदर्भ :

- बकरी - सर्वेश्वरदयाल सक्सेना
- प्रतिनिधि एकांकी - सम्पादक डॉ. दानबहादुर सिंह, डॉ. सत्यपाल तिवारी
- भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत - गणपति चंद्रगुप्त
- हिंदी नाटक का उद्भव और विकास - दसरथ ओझा
- भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच - सीताराम चतुर्वेदी
- हिंदी नाटक - बच्चन सिंह
- रंगमंच के सिद्धांत - नेमिचंद्र जैन

COURSE DETAILS FOR SEC:

Programme: Humanities (SEC)		**Semester – IV**	
Course Title: कंप्यूटर और हिंदी भाषा		**Course Code:**	
Lectures per week (1 Lecture is 60 minutes)		2	
Total number of Hours in a Semester		30	
Credits		2	
Evaluation System		**2 Hours**	**——--**
	Internal Assessment	**--**	**50 MARKS**

COURSE OBJECTIVES

CO 1.	छात्राओं को कंप्यूटर का ज्ञान देना एवं कम्प्यूटर के क्रमिक विकास को समझाना |
CO 2.	कम्प्यूटर के हिंदी के विविध फोंट से परिचित करवाना |
CO 3.	इंटरनेट से छात्राओं को परिचित करवाना

COURSE LEARNING OUTCOMES:

CLO 1.	छात्राओं को आज की बुनियादी आवश्यकता कम्प्यूटर संबंधित जानकारी प्राप्त होगी |
CLO 2.	कंप्यूटर के हिंदी फॉण्ट की जानकारी प्राप्त कर कंप्यूटर के क्षेत्र में रोजगार प्राप्त होंगे।
CLO 3	इंटरनेट के माध्यम से विद्यार्थी हिंदी में कॉन्टेंट लेखन एवं ब्लॉग लेखन के क्षेत्र में सृजनात्मक कार्य कर पाएंगे।

इकाई 1	**कंप्यूटर का विकास और हिंदी**
1.1	कंप्यूटर का परिचय और विकास
1.2	कंप्यूटर में हिंदी भाषा का आरम्भ और विकास

1.3	हिंदी फॉण्ट : यूनिकोड, देवनागरी और मंगल
1.4	हिंदी भाषा, ईमेल लेखन और ब्लॉग लेखन एवं कृत्रिम बुद्धि प्रयोग Artificial Intelligence (A. I.)
इकाई 2	**इंटरनेट और हिंदी भाषा**
2.1	इन्टरनेट का विकास
2.2	इन्टरनेट का महत्त्व
2.3	इन्टरनेट का उपयोग
2.4	इन्टरनेट और हिन्दी भाषा

संदर्भ :

- कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग -विजयकुमार मल्होत्रा
- कंप्यूटर और हिंदी - हरिमोहन
- इन्टरनेट - शशि शुक्ला
- हिंदी भाषा और कंप्यूटर - संतोष गोयल
- सोशल नेटवर्किंग : नए समय का संवाद : सम्पादक संजय द्विवेदी

Ability Enhancement Courses (AEC)

Programme: Humanities **Ability Enhancement Course (AEC)**		**Semester – IV**	
Course Title: हिंदी साहित्य एवं भाषा ज्ञान (भाग -2)		**Course Code:**	
Lectures per week (1 Lecture is 60 minutes)		**1**	
Total number of Hours in a Semester		**15**	
Credits-		**1**	
Evaluation System	**Semester End Examination**	**Hours**	
	Internal Assessment	**--**	**25**

COURSE OBJECTIVES

CO 1.	विद्यार्थी हिंदी संस्मरण और रेखाचित्र के माध्यम से गद्य की अन्य विधा संस्मरण और रेखाचित्र से परिचय कराना |
CO 2.	हिंदी संस्मरण और रेखाचित्र के उद्भव और विकास के माध्यम से संस्मरण और रेखाचित्रके विकास यात्रा के बारे में छात्राओं को जानकारी देना |
CO 3.	निबंध लेखन और अपठित गद्यांश हिंदी भाषा ज्ञान का संस्कार देना

COURSE LEARNING OUTCOMES:

CLO 1.	हिंदी संस्मरण और रेखाचित्र से प्रसिद्द साहित्यकारों से परिचित होंगें और संस्मरण और रेखाचित्र विधा का ज्ञान होगा |
CLO 2.	हिंदी संस्मरण और रेखाचित्र के माधयम से विद्यार्थियों में मानवीय मूल्यों तथा विचारात्मक शक्ति का विकास होगा |
CLO 3	हिंदी संस्मरण और रेखाचित्र लेखन विद्यार्थी अवगत होंगे और संस्मरण और रेखाचित्र लेखन में रचनात्मक कार्य करेंगे |

इकाई 1	**हिंदी संस्मरण और रेखाचित्र का सामान्य परिचय**
1.1	महादेवी वर्मा - घीसा
1.2	रामवृक्ष बेनीपुरी - देव

1.3	कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर -लाल अंगारों की उस मुस्कान में
इकाई 2	**भाषा ज्ञान : व्यावहारिक लेखन**
2.1	निबंध लेखन (सामाजिक, राजनैतिक, समस्यात्मक, आत्मकथात्मक, विचारात्मक)
2.2	अपठित गद्यांश

संदर्भ

- माटी की मूरतें - रामवृक्ष बेनीपुरी
- अतीत के चल चित्र - महादेवी वर्मा
- माटी हो गई सोना -कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'
- हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास :रामकुमार वर्मा
- हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास- डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त

Assessment pattern

ASSESSMENT DETAILS: (This will be same for all the theory papers)

Continuous Assessment (50 marks)

Part 1: Test (**25 Marks**)

- At the beginning of the semester, students should be assigned with a test based on 1 and 2 units.

Part 2: project work (25 marks)

- part II students should be assigned with a project from unit lest
- Students can work in groups of not more than 8 per topic.
- Project Marks will be divided as written submission: 10 Marks & Presentation & Viva: 10 marks)
- The Project/Assignment can take the form of Street-Plays/Power-Point Presentations/Poster Exhibitions and similar other modes of presentation appropriate to the topic.

- Students must submit a hard copy of the Project before the last teaching day of the semester.

VSC/SEC Course CA Assessment (50 marks)

Part 1: Test (**20 Marks**)

- At the beginning of the semester, students should be assigned with a test based on 1 and 2 units.

Part 2: project work (20 marks)

- part II students should be assigned with a project from unit lest
- Students can work in groups of not more than 8 per topic.
- Project Marks will be divided as written submission: 15 Marks & Presentation & Viva: 10 marks)
- The Project/Assignment can take the form of Street-Plays/Power-Point Presentations/Poster Exhibitions and similar other modes of presentation appropriate to the topic.
- Students must submit a hard copy of the Project before the last teaching day of the semester.

Part 3: Attendance **– 10 marks**

AEC Course CA Assessment (25 marks)

Part 1: Test (**20 Marks**)

- At the beginning of the semester, students should be assigned with a test based on 1 and 2 units.

Part 2: Attendance **– 5 marks**

Semester End Examination – External Assessment (50 marks)

- The duration of the paper will be two hours.
- There shall be four compulsory questions
- Q1-3 shall correspond to the three units. Q1-3 shall contain an internal choice (attempt any 1 of 2). Q1-3 shall carry a maximum of 12 marks
- Q4 shall be a short note from Unit 1 to 4. Q4 shall carry a maximum of 14 marks (2x7 marks) (attempt any 2 of 4)

BOS Member

1. VC Nominee Dr. Satyawati Chaubey,
2. Subject Expert Dr. Dinesh Pathak, Dr. Ravindra Katyayan
3. Industry expert Mr. Sundar Chand Thakur
4. Sophia college alumna Dr. Tabassum Khan
5. Chairperson – Dr. Vaishali Pachunde,
6. Dept. member – Dr. Smriti Singh and Ms. Priyanka Chauhan.

****